आइए, करके देखें

गतिविधि 1 : ढूँढ़ें और मिलाएँ

इस गतिविधि के ज़रिए विद्यार्थी सजीव-निर्जीव के अन्तर को ठीक से समझ सकेंगे। उनकी अवलोकन, वर्गीकरण क्षमता और तार्किकता बढ़ेगी। यह गतिविधि कक्षा 2 और 3 के विद्यार्थियों के लिए बेहतर होगी।

समूह का आकार : 24 विद्यार्थी (या कोई भी सम संख्या)

आवश्यक सामग्री :

- सजीव चीज़ों के अलग-अलग चित्रों वाले 12 कार्ड (विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर यह संख्या कम या ज़्यादा होगी।)
- निर्जीव चीज़ों के अलग-अलग चित्रों वाले 12 कार्ड

नोट : *शिक्षक पुराने समाचार पत्रों / पत्रिकाओं से चित्र काट सकते हैं, और उन्हें इस्तेमाल किए हुए किसी पुराने चार्ट, घरेलू सामान के पैकेट, आदि से बने कार्ड पर चिपका सकते हैं। वे स्वयं भी चित्र बना सकते हैं, और विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल कर सकते हैं।*

चित्रांकन : शिवेन्द्र पांडिया

सजीव चीज़ों के लिए सुझाव : मुर्ग़ी, लड़का, लड़की, बन्दर, गौरैया, मेंढक, बरगद का पेड़, आम का पेड़, चींटी, मकड़ी, छिपकली, लीची का पेड़, गुलाब, बकरी, भैंस, हाथी, गाय, तोता, मोर, कबूतर, मछली, बिल्ली, चाचा, तितली, पौधा, गन्ना, ऊँट, कौआ, दोस्त, मामा, आदि।

निर्जीव चीज़ों के लिए सुझाव : मिट्टी का बर्तन, स्कूल बैग, साइकिल, चॉक, क्रिकेट बैट, किताब, रिक्शा, पंखा, स्टील की थाली, चारपाई, पतंग, पत्थर, लालटेन, दरवाज़ा, फ़ोन, चप्पल, चम्मच, ब्लैकबोर्ड, टेबल, लाइट बल्ब, बस, स्कूटर, ईंट, खिड़की, दीवार, छाता, गुड़िया, घण्टी, झण्डा, घड़ी, चाय, आईना, पानी की बोतल, आदि।

आसान स्तर

सही मिलान करें।

चरण 1 :

प्रत्येक विद्यार्थी को मोड़कर रखा हुआ कोई-सा भी कार्ड दें, और निर्देश दें कि वह इसे अभी न खोले।

चरण 2 :

- शिक्षक के संकेत देने पर (जैसे—रेडी, स्टेडी, गो!) विद्यार्थी अपने कार्ड खोलते हैं, और चित्र को देखते हैं।
- प्रत्येक विद्यार्थी को एक ऐसा साथी ढूँढ़ना होगा जिसके पास उसी वर्ग (सजीव या निर्जीव) का कार्ड हो।
- जब उन्हें अपने कार्ड का मैच मिल जाता है वे एक साथ बैठते हैं।

मध्यम स्तर

पहली वाली प्रक्रिया को दोहराएँ। लेकिन इस बार प्रत्येक विद्यार्थी को एक ही वर्ग के कार्ड वाले दो अन्य विद्यार्थियों को ढूँढ़ना होगा। मसलन, इस बार अगर किसी के पास निर्जीव चीज़ का कार्ड है तो उसे 2 ऐसे साथी ढूँढ़ने हैं जिनके पास निर्जीव चीज़ों का कार्ड हो। इस बार तीन का समूह बनाना है।

कठिन स्तर

एक जैसी थीम वाले साथी को ढूँढ़ें।

इस प्रक्रिया को इस बार कुछ इस तरह दोहराना है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपने थीम कार्ड वाले दो अन्य साथियों को ढूँढ़े। यहाँ शिक्षक को थीम के बारे में स्पष्ट तरह से बताना पड़ेगा। मसलन, अगर किसी के पास जानवर (बिल्ली) का कार्ड है तो उन्हें ऐसे दो साथियों को ढूँढ़ना है जिनके पास बन्दर, गाय, भैंस, घोड़ा, आदि के कार्ड हों। इसी प्रकार, यदि किसी के पास वाहन (साइकिल) का कार्ड है तो उन्हें ऐसे दो साथियों को ढूँढ़ना है जिनके पास स्कूटर, रिक्शा, बस, आदि के कार्ड हों। और इस बार भी 3 समूह बनाना है।

शिक्षकों के लिए सुझाव :

प्रत्येक राउंड के बाद कार्डों को आपस में मिलाएँ। बाद के राउंड में नए कार्ड पेश करें ताकि विद्यार्थियों को कई उदाहरणों से परिचित कराया जा सके।

गतिविधि 2 : शान्त रास्ते

इस गतिविधि के ज़रिए विद्यार्थियों को टीम के साथ मिलकर खेलने का आनन्द मिलेगा। साथ ही पता चलेगा कि किसी भी समस्या से निकलने के लिए सहयोग कितना ज़रूरी है। इसे कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों के साथ कर सकते हैं। इस खेल के लिए खुली जगह का होना ज़रूरी है।

समूह का आकार : विद्यार्थियों की कोई भी सम संख्या। विद्यार्थियों के जोड़े बनाएँ (हर जोड़े में 1 ड्राइवर + 1 वाहन)।

आसान स्तर

चरण 1 : जोड़ी बनाना।

- विद्यार्थियों के जोड़े बनाएँ। एक विद्यार्थी वाहन बनेगा और दूसरा ड्राइवर।

चरण 2 : वाहन बने हुए विद्यार्थी की आँखों पर पट्टी बाँधें।

चरण 3 : मौन संकेतों का निर्माण करें।

- प्रत्येक जोड़ा मौन संकेतों पर निर्णय लेता है जिसका उपयोग ड्राइवर वाहन को निर्देशित करने के लिए करेगा। उदाहरण के लिए :
  - दाएँ कन्धे पर एक थपकी = दाएँ मुड़ें
  - बाएँ कन्धे पर एक थपकी = बाएँ मुड़ें
  - पीठ पर दो थपकी = आगे बढ़ें
  - आस्तीन पर एक हल्का झटका = रुकें
  - दोनों कन्धों पर हल्की थपकी = पीछे की ओर चलें

चित्रांकन : शिवेन्द्र पांडिया

चरण 4 : एक सरल रास्ते का मार्गदर्शन (नेविगेशन) करें।

- चॉक की लाइनों की मदद से एक सरल मार्ग बनाएँ।
- ड्राइवर पीछे खड़ा होता है, और पहले से निश्चित किए गए संकेतों का उपयोग करके अपने वाहन को निर्देशित करता है।

चरण 5 : भूमिकाएँ बदलें।

- एक बार यह गतिविधि हो जाने के बाद विद्यार्थियों से भूमिकाएँ बदलने, और खेल को दोहराने के लिए कहें। ड्राइवर वाहन बन जाता है और वाहन ड्राइवर बन जाता है।

कठिन स्तर

- इसमें समय सम्बन्धी चुनौती या छोटी वस्तु उठाने का कार्य भी जोड़ें।
- सोच-विचार को प्रोत्साहित करें : जब आप वाहन थे तो आपको कैसा लगा? क्या आपका सम्प्रेषण स्पष्ट था? देखने या बोलने की बजाय स्पर्श पर निर्भर होना कैसा लगा? आपको अपने साथी पर भरोसा करने में किस बात ने मदद की?

शिक्षकों के लिए सुझाव

- सुरक्षा का ध्यान रखें।
- चर्चा करें कि हम शब्दों के बिना भी कैसे बातचीत करते हैं। यह गतिविधि समानुभूति का निर्माण करने और अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों को समझने के लिए बहुत बढ़िया है।

ये गतिविधियाँ शिल्जा सेमुएल बंसरीयार ने सुझाई हैं। वे अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी बेंगलूरु की डिज़ाइन टीम की सदस्य हैं।

अँग्रेज़ी से नलिनी रावल द्वारा अनुवादित।

गतिविधि 3 : फल और सब्ज़ी

- यह गतिविधि 10–15 बच्चों के समूह में खेली जा सकती है। इसमें हार-जीत जैसी कोई बात नहीं, और सभी बच्चों को बराबर मौक़ा मिलता है। सबकी बारी आती है।

चित्रांकन : शिवेन्द्र पांडिया

आसान स्तर

- इस खेल में किसी एक बच्चे को स्वैच्छिक रूप से आगे आने को कहते हैं। वह अपने सिर पर एक टोकरी लिए होने का अभिनय करता हुआ गोल घेरे में खड़े हुए बच्चों के पास घूमते हुए जाएगा। वह फल, फूल, सब्ज़ी कहता हुआ गोल घेरे में अन्दर की तरफ़ घूमेगा। वह किसी एक बच्चे के पास रुककर इन तीन में से कोई एक शब्द बोलेगा—फल या फूल या फिर सब्ज़ी। जिस बच्चे के सामने खड़े होकर वह जो भी शब्द बोलेगा, सामने वाले बच्चे को उसका एक नाम बताना होगा। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे ने फूल शब्द कहा तो दूसरे बच्चे को एक फूल का नाम बताना है और यदि फल शब्द कहा तो दूसरे बच्चे को कोई एक फल का नाम बताना है। यदि सब्ज़ी शब्द कहा तो एक सब्ज़ी का नाम बताना होगा। यह जल्दी-जल्दी होगा और बच्चों को सतर्क रहना होगा कि उनके सामने तीन में से कोई भी शब्द आ सकता है। नहीं बता पाने या ग़लत नाम बताने पर टोकरी उस बच्चे के सिर पर आएगी और अब वह घूमेगा।

कठिन स्तर

- पहले की ही तरह खेल को शुरू करने के बाद अब इस चरण में तीन आवाज़ लगाते हुए बच्चा घूमेगा, पर अब वह किसी भी बच्चे के सामने रुककर एक नहीं, बल्कि दो शब्द बोल सकता है। उदाहरण के लिए, फल-फूल। ऐसे में सामने वाले बच्चे को एक फल और एक फूल का नाम बताना होगा। अगर उसने फूल-सब्ज़ी कहा तो एक फूल और एक सब्ज़ी का नाम बताना होगा।
- इसी तरह कठिनता का एक और स्तर बढ़ाते हुए अगले चरण में तीन शब्द बोलने को कहा जा सकता है, और अब सामने वाले बच्चे को एक फल, एक फूल और एक सब्ज़ी का नाम बताना होगा।

यह गतिविधि भोपाल के अनिल सिंह ने सुझाई हैं। वे टाटा ट्रस्ट के पराग इनिशिएटिव में बाल साहित्य एवं पुस्तकालय संवर्धन के काम से जुड़े हैं।